अध्याय - 03

लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम.

अनुसूची-एक

सूबेदार (अनुसचिवीय)- शीघ्रलेखक प्रायोगिक परीक्षा

कुल अवधि : एक घंटा

कुल अधिकतम अंक : 100

न्यूनतम अंक अर्हता : 30

हिन्दी आशुलिपि (Shorthand) श्रुतलेख (Dictation) और अनुलिपि (transcript) टंकण (Typing) परीक्षा

i. हिन्दी आशुलिपि श्रुतलेख 100 शब्द प्रति मिनिट की गति से 05 मिनिट के लिये दिया जायेगा. दिये गये श्रुतलेख की अनुलिपि का टंकण भी करना होगा. कुल दो हिन्दी आशुलिपि श्रुतलेख 05 मिनिट प्रत्येक के लिये दिये जायेंगे.
   1) परीक्षा प्रारंभ होने पर से 05 मिनिट प्रत्येक के लिये दो आशुलिपि श्रुतलेख दिये जायेंगे.
   2) प्रत्येक श्रुतलेख के बाद से 05 मिनिट प्रारूप (Draft)पढने के लिये और सुधारने के लिये दिये जायेंगे.
   3) टंकण : 20 मिनिट प्रत्येक आशुलिपि श्रुतिलेख टंकण के लिये दिये जायेंगे. यह पूरे समय कम्प्यूटर पर दर्ज होगा और अभ्यर्थी दिये गये समय में ही अनुलिपि कार्य करना होगा. कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जायेगा.

ii. आशुलिपि के प्रत्येक हिन्दी श्रुतलेख का मूल्यांकन- प्रत्येक के 10 अंक (अधिकतम)

iii. आशुलिपि के प्रत्येक हिन्दी श्रुतलेख की अनुलिपि के टंकण का मूल्यांकन - प्रत्येक के 40 अंक (अधिकतम)

   क. पूर्ण त्रुटि - निम्नलिखित त्रुटियों को पूर्ण त्रुटि के रूप में गिना जायेगा.
   1. प्रत्येक शब्द/संख्या को छोड़ने पर
   2. प्रत्येक शब्द/संख्या को अतिरिक्त जोड़ने पर
   3. गलत शब्द/संख्या के प्रत्येक परिवर्तन पर
   4. प्रत्येक सही शब्द/संख्या के साथ गलत शब्द/संख्या की अदला-बदली करना जो परिच्छेद में नहीं है.
   5. प्रत्येक शब्द/संख्या जो गद्यांश में नहीं हैं जैसे 'पाठशाला' के स्थान पर 'पाशाला' या 'सरकारी' के स्थान पर 'सकरारी' जोड़ना आदि.
   6. वाक्य रचना में यदि अशुद्धि है, जैसे- 'मुझे जाना है' के बजाय 'मुझे है जाना' तो इसे भी एक अशुद्धि माना जायेगा.

   ख. आधी त्रुटि -निम्नलिखित त्रुटियां आधी त्रुटि के रूप में गिनी जायेगी.

1. स्पेसिंग गलती - जहाॅ दो अक्षरों के बीच स्थान नहीं दिया जाता है या दो अक्षरों या किसी शब्द के बीच अधिक स्थान दिया जाता है.
2. एक शब्द में उन सभी गलतियों को गलतियों के रूप में गिना जायेगा, लेकिन किसी एक शब्द में की गई कुल गलतियों को उस शब्द को बिल्कुल न लिखने पर एक गलती से अधिक नही माना जायेगा.
3. स्ट्रोक/वर्णों की संख्या, दिये गये गद्यांश में स्थान की गणना की जायेगी और तदनुसार कुल अभ्यर्थी के टंकण के स्ट्रोक/अक्षरों, स्थान में अधिक-कमी के अंकों की कटौती की जायेगी.
4. प्रत्येक वर्तनी (Spelling) की गलती के लिये जहाॅ वर्तनी की त्रुटि इस प्रकार है :
    - 'में' के स्थान पर 'मैं'
    - 'की' के स्थान पर 'कि'
    - 'ओर' के स्थान पर 'और'
    - 'है' के स्थान पर 'हैं'
    - प्रत्येक अन्य समान अशुद्धि के लिये, प्रत्येक बार आधी गलती.

ग. टंकण में त्रुटियों की गणना का तरीका :

$$\text{त्रुटि प्रतिशत} = \frac{\left(\text{पूर्णत्रुटि} + \frac{\text{आधीत्रुटि}}{2}\right) \times 100}{\text{लेखांशकेकुलशब्द}}$$

iv. आशुलिपि नोटबुक अधीक्षक को लौटा दी जानी चाहिए, जो अनुलिपि (Transcription)के प्रिंट आउट से जुड़ी होगी. यह मूल्यांकन करते समय देखा भी जायेगा कि आशुलिपि नोटबुक में जितना लिखा गया है उतना ही टाईप किया है या कि उससे अधिक.

v. परीक्षा शुरू होने से पहले अभ्यार्थियों को कम्प्यूटर सिस्टम से परिचित होने के लिये 05 मिनिट का एक सत्र दिया जायेगा.

vi. केवल टाईप की गई सामग्री का ही मूल्यांकन किया जायेगा. पेन/पेंसिल से किया गया कोई भी सुधार स्वीकार नहीं किया जावेगा और इसके लिये कोई अंक नहीं दिये जायेंगे.

अनुसूची-दो

सहायक उप निरीक्षक (अनुसचिवीय)- प्रायोगिक परीक्षा

कुल अवधि : एक घंटा

कुल अधिकतम अंक : 100

न्यूनतम अंक अर्हता : 30

सामान्य निर्देश :

1) परीक्षा प्रारंभ होने से पहले अभ्यार्थियों को कम्प्यूटर सिस्टम से परिचित होने के लिये एक-एक मिनिट के दो सत्र दिये जायेंगे.
2) केवल टाईप की गई सामग्री का ही मूल्यांकन किया जायेगा. पेन/पैंसिल से किया गया कोई भी सुधार स्वीकार नहीं किया जावेगा और इसके लिये कोई अंक नहीं दिये जायेंगे.
3) टंकण परीक्षा :
   i. प्रश्नपत्र में यदि कोई शब्द गलत छपा है तो उसे जस का तस टंकण करने पर कोई गलती नहीं मानी जावेगी.
   ii. हिन्दी में 600 शब्द प्रत्येक के दो पेराग्राफ दिये जायेंगे जिनमें से प्रत्येक पैराग्राफ को अभ्यर्थी को 30 मिनिट में टाईप करना होगा.
4) हिन्दी टंकण :

अधिकतम अंक : 50 अंक प्रत्येक पैराग्राफ

मूल्यांकन प्रक्रिया(हिन्दी में त्रुटियों के प्रकार)

i. पूर्ण त्रुटि - निम्नलिखित त्रुटियों को पूर्ण त्रुटि के रूप में गिना जायेगा.

क. प्रत्येक शब्द/संख्या को छोड़ने पर

ख. प्रत्येक शब्द/संख्या को अतिरिक्त जोड़ने पर

ग. गलत शब्द/संख्या के प्रत्येक परिवर्तन पर

घ. प्रत्येक सही शब्द/संख्या के साथ गलत शब्द/संख्या की अदला-बदली करना जो परिच्छेद में नहीं है.

ङ. प्रत्येक शब्द/संख्या जो गद्यांश में नहीं हैं जैसे 'पाठशाला' के स्थान पर 'पाशाला' या 'सरकारी' के स्थान पर 'सकरारी' जोड़ना आदि.

च. वाक्य रचना में यदि अशुद्धि है, जैसे- 'मुझे जाना है' के बजाय 'मुझे है जाना' तो इसे भी एक अशुद्धि माना जायेगा.

ii. आधी त्रुटि - निम्नलिखित त्रुटियां आधी त्रुटि के रूप में गिनी जायेगी.

क. स्पेसिंग गलती - जहॉ दो अक्षरों के बीच स्थान नहीं दिया जाता है या दो अक्षरों या किसी शब्द के बीच अधिक स्थान दिया जाता है.

ख. एक शब्द में उन सभी गलतियों को गलतियों के रूप में गिना जायेगा, लेकिन किसी एक शब्द में की गई कुल गलतियों को उस

शब्द को बिल्कुल न लिखने पर एक गलती से अधिक नही माना जायेगा.

ग. स्ट्रोक/वर्णों की संख्या, दिये गये गद्यांश में स्थान की गणना की जायेगी और तदनुसार कुल अभ्यर्थी के टंकण के स्ट्रोक/अक्षरों, स्थान में अधिक- कमी के अंकों की कटौती की जायेगी.

घ. प्रत्येक वर्तनी (Spelling) की गलती के लिये जहॉ वर्तनी की त्रुटि इस प्रकार है :

- 'में' के स्थान पर 'मैं'
- 'की' के स्थान पर 'कि'
- 'ओर' के स्थान पर 'और'
- 'है' के स्थान पर 'हैं'
- प्रत्येक अन्य समान अशुद्धि के लिये, प्रत्येक बार आधी गलती.

iii. टंकण में त्रुटियों की गणना का तरीका :

$$\text{त्रुटि प्रतिशत} = \frac{\left(\text{पूर्णत्रुटि} + \frac{\text{आधीत्रुटि}}{2}\right) \times 100}{\text{लेखांशकेकुलशब्द}}$$